DURG VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A. (Hindi) Semester Exam

UNDER

FACULTY OF ARTS

Session 2017-18

(Approved by Board of Studies)
Effective from July 2017

दुर्ग विश्वविद्यालय दुर्ग

(छत्तीसगढ़)

पाठ्यक्रम

एम. ए. पूर्व हिन्दी

एम. ए. अंतिम हिन्दी

परीक्षा 2017–18

सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली

सत्र 2017–18 एम.ए. हिन्दी अंक विभाजन सेमेस्टर प्रणाली

प्रथम सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)	80	20	100
द्वितीय :प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	20	100
तृतीय :छायावाद एवं पूर्ववर्ती काव्य	80	20	100
चतुर्थ :नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक कृति	80	20	100
			कुल 400 अंक

द्वितीय सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचम :(उत्तर मध्यकाल एवं आधुनिक काल)	80	20	100
षष्ठ : मध्यकालीन काव्य	80	20	100
सप्तम : प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य	80	20	100
अष्टम : उपन्यास, निबंध एवं कहानी	80	20	100
			कुल 400 अंक

तृतीय सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
प्रथम : साहित्य के सिद्धांत तथा अलोचना शास्त्र	80	20	100
द्वितीयः भाषा विज्ञान	80	20	100
तृतीयः कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता	80	20	100
चतुर्थ : भारतीय साहित्य	80	20	100
			कुल 400 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर

अंक विभाजन

प्रश्न पत्र	बाह्य परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक
पंचमः हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र	80	20	100
षष्ठ : हिन्दी भाषा	80	20	100
सप्तम : मीडिया लेखन एवं अनुवाद	80	20	100
अष्टमः जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	80	20	100
			कुल 400 अंक

टीपः– प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत दो आंतरिक मूल्यांकन का आयोजन अनिवार्य होगा एवं इसका मूल्यांकन विभाग के शिक्षकों के द्वारा किया जावेगा तथा प्राप्तांक विश्वविद्यालय को प्रेशित किया जावेगा ।

एम.ए. – हिन्दी – 2017–18
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

योग : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 हिन्दी साहित्य का इतिहास : परम्परा और पद्धति :

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, आदिकाल के नामकरण की समस्या।

इकाई –2 आदिकाल :

हिन्दी साहित्य के आदिकाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रासो काव्य, सिद्ध नाथ एवं जैन साहित्य, लौकिक साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई –3 पूर्व मध्यकाल (भक्ति काल), भक्ति आंदोलन :

उद्‌भव और विकास, हिन्दी क्षेत्र में भक्ति आंदोलन की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं उसका विकास, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, तथा दार्शनिक विचारधाराएँ ।

इकाई–4 भक्तिकाल की विभिन्न काव्य - धाराएँ :

निर्गुण काव्य : ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा - परम्परा, प्रवृत्ति एवम उसका विकास। सगुण काव्य : कृष्ण भक्ति काव्य–धारा एवं रामभक्ति काव्य धारा - परंपरा, प्रवृति एवं उसका विकास।

इकाई– 5

लघुत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

इकाई –6

वस्तुनिष्ठ एवं अति लघुउत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्ययक्रम से)

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1 X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1 X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1 X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1 X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	लघुत्तरीय 5 X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	वस्तुनिष्ठ 10 X 1	=	10 अंक
	योग	=	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास (संशोधित – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली) – डॉ. नगेन्द्र

4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य (वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन) – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय

5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका (हिन्दी ग्रंथ अकादमी) – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

6. हिन्दी साहित्य का दुसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह

7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – राम स्वरूप चतुर्वेदी (लोकभारती प्रकाशन)

8. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी (ओरियन्ट लॉगमैन)

9. हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी।

एम.ए. (हिन्दी) – 2017–18
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(रासो काव्य, लौकिक काव्य एवं निर्गुण काव्य)

योग : 80

पाठ्य विषय :–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित चार कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

1. चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो, संपादक आचार्य हजारी द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (पद्मावती समय)
2. विद्यापति पदावली : संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी से प्रारंभिक 10 पद।
3. कबीर ग्रंथावलीः संपादक डॉ. श्याम सुंदर दास (50 साखियाँ तथा 15 पद) पद क्रमांक– 11, 16, 24, 26, 27, 45, 49, 64, 70, 72, 89, 93, 110, 111, 268 साखियाँ– गुरूदेव कौ अंग 1 से 10, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 5, चितावणी कौ अंग 1 से 5, माया कौ अंग 1 से 5, परचा कौ अंग 1 से 5 ।
4. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह खण्ड एवं सिंहल द्वीप खण्ड)

टीपः– द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 05 कवियों का एवं उनकी रचनाओं का अध्ययन अनिवार्य है, इन कवियों पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे – अमीर खुसरों, मीराबाई, रहीम, रैदास, रसखान ।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**	
इकाई 1 व्याख्या	3 व्याख्या (कोई तीन)	3X10 =	30 अंक
इकाई 2 चंदबरदाई एवं इतिहास	3 आलोचनात्मक (कोई तीन)	3X10 =	30 अंक
इकाई 3 कबीर एवं जायसी			
इकाई 4 द्रुत पाठ के कवि	5 लघु – उतरीय (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)	5X2 =	10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)		10X1 =	10 अंक
	योग =		**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी – चंदबरदाई
2. कबीर की विचारधारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेशणात्मक अध्ययन
6 मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरों और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. कबीर – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. पूर्व (हिन्दी) 2017–18
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – तृतीय
द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य

कुल : 80

पाठ्य विषयः–
व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन अपेक्षित है ।

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत नवम् सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद – कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
4. महादेवी वर्मा – मैं नीर भरी दुःख की बदली, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, रूपसी तेरा केश-पाश, मधुर मधुर मेरे दीपक जल।

टीपः– द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जाएगा ।
श्रीधर पाठक, अयोध्या सिंह उपाध्याय ''हरिऔध'', मुकुटधर पांडेय, जगन्नाथ दास रत्नाकर, सुमित्रानन्दन पंत, (लघुत्तरीय प्रश्न द्रुत पाठ एवं पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे।)

इकाई विभाजन
इकाई 1 व्याख्या
इकाई 2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद
इकाई 3 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, महादेवी वर्मा
इकाई 4 द्रुत पाठ के कवि ।

अंक विभाजन

1– 3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
2– 3 आलोचनात्मक	–	3X10	=	30 अंक
3– 5 लघुत्तरीय	–	5X2	=	10 अंक
4– वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय	–	10X1	=	10 अंक
		योग	=	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. साकेत एक अध्ययन– डॉ. नगेन्द्र
2. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नया साहित्य नये साधना – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
5. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर
7. हिन्दी साहित्य आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – नगेन्द्र
9. बच्चन की कविताओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. शीला शर्मा

एम.ए. – (हिन्दी) – 2017–18
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य
(नाटक, एकांकी एवं चरितात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई 1	नाटक	1	चन्द्रगुप्त	– जयशंकर प्रसाद
		2	हानूश	– भीष्म साहनी
		3	अन्धा युग	– धर्मवीर भारती
इकाई 2	एकांकी	1	रीढ़ की हड्डी	– जगदीश चन्द्र माथुर
		2.	एक दिन	– लक्ष्मीनारायण मिश्र
		3.	ताँबे के कीड़े	– भुवनेश्वर
		4.	तौलिए	– उपेन्द्रनाथ अश्क
इकाई 3	चरितात्मक कृति	1.	पथ के साथी	– निराला भाई
		2.	आवारा मसीहा (संक्षिप्त संस्करण)	– विष्णु प्रभाकर
इकाई 4	आत्मकथात्मक कृति	1.	जूठन (भाग–एक)	– ओम प्रकाश बाल्मिकी

इकाई विभाजन

इकाई– 1 – व्याख्या
इकाई– 2 – नाटक
इकाई– 3 – एकांकी
इकाई– 4 – चरितात्मक कृति, आत्मकथात्मक कृति
इकाई– 5 – लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

अंक विभाजन

1–	3 व्याख्या	– 3X10	=	30 अंक
2–	3 आलोचनात्क	– 3X10	=	30 अंक
3–	5 लघुत्तरी	– 5X2	=	10 अंक
4–	वस्तुनिष्ठ अतिलघुउत्तरीय	– 10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि – डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक – नगेन्द्र
7. नाटक रंगमंच और मोहन राकेश – डॉ. सुरेन्द्र यादव
8. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक – डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
9. प्रसाद के नाटक एवं नाट्य शिल्प – डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
10. नाटककार मोहन राकेश – डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया
11. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास – रामचरण महेन्द
12. हिन्दी रंगमंच : दषा और दिषा – जयदेव तनेजा
13. भष्म साहनी के उपन्यास और नाटक – डॉ. राकेश कुमार तिवारी

एम.ए. (हिन्दी) – 2017–18
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – पंचम (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य विषयः–

इकाई 1. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) काल सीमा, नामकरण, प्रवृत्तियॉ, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धारायें (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉ एवं विशेषताएँ । रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ ।

इकाई 2. आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विषेशताएँ ।

इकाई 3. द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विषेशताएँ, छायावाद– नामकरण और प्रवृत्तियॉ, प्रमुख साहित्याकार, साहित्यिक विषेशताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियॉ) प्रगतिवाद, नई कविता, नवगीतवाद तथा समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय ।

इकाई 4. हिन्दी गद्य का विकास – आधुनिक काल, गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों का उद्भव और विकास, उपन्यास व कहानी का विकास और सामान्य प्रवृत्तियॉ, निबंध का विकास और प्रवृत्तियॉ, नाटक का उद्भव और विकास– सामान्य प्रवृत्तियॉ, गीति– नाटकों का परिचयात्मक विवेचन ।

इकाई 5. लघुत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पांच प्रश्न)

इकाई 6. वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

अंक विभाजन

इकाई 1	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5	– लघुत्तरीय	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6	– वस्तुनिष्ठ	10X 1	=	10 अंक

योग = 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे वाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाऍं – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी – उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
9. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. (हिन्दी) – 2017–18
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – षष्ठ
मध्यकालीन काव्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य विषय :– व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

1 सूरदास – भ्रमरगीत सार – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद) पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)

2 तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीताप्रेस गोरखपुर

3 बिहारी – बिहारी रत्नाकर संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों एवं उनकी रचनाओं का (विषय एवं शिल्पगत) ज्ञान अपेक्षित है । केशव, भूषण, पद्माकर, देव, घनानंद, राधा विनोद – खांडेराव भोसले

इन कवियों पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**		
इकाई 1 व्याख्या	3 व्याख्या	3X10	=	30 अंक
इकाई 2 सूरदास, तुलसीदास	3 आलोचनात्मक	3X10	=	30 अंक
इकाई 3 बिहारी एवं इतिहास विषयक प्रश्न				
इकाई 4 द्रुत पाठ के कवि	5 लघुत्तरी	5X2	=	10 अंक
इकाई 5 वस्तुनिश्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)	10 वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय	10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. बिहारी– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल वर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार अशोक प्रकाशन नई दिल्ली
7. सूरदास – मैनेजर पाण्डेय

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – सप्तम
(प्रयोगवादी एवं प्रगतिवादी काव्य)

कुल अंक : 80

पाठ्य विषय–

स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय– नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, उधार, देह वल्ली, सोन मछली ग.मा. मुक्तिबोध – कविता – अंधेरे में ।

नागार्जुन – बसन्त की अगवानी, कोई आए तुमसे सीखे, शिशिर विष कन्या, तो फिर क्या हुआ, यह तुम थी, कोयल आज बोली है, शासन की बंदूक, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा।

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 5 कवियों का अध्ययन किया जायेगा ।

केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन शास्त्री, भवानी प्रसाद मिश्र, विनोद कुमार शुक्ल, धूमिल

(लघुत्तरी प्रश्न द्रुत पाठ एवं सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जायेंगे)

इकाई विभाजन

इकाई–1 – व्याख्या

इकाई–2 – स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय

इकाई–3 – मुक्तिबोध एवं नागार्जुन

इकाई–4 – द्रुत पाठ के कवि

इकाई–5 – वस्तुनिश्ठ अतिलघुत्तरीय प्रश्न

अंक विभाजन

1. 3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
2. 3 आलोचनात्मक	–	3X10	=	30 अंक
3. 5 लघुत्तरीय	–	5X2	=	10 अंक
4. 10 वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय	–	10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
2. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6. कविता की संगत – विजय कुमार
7. कविता का अर्थात् – परमानंद श्रीवास्तव
8. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
9. छायावादोत्तर प्रबंध काव्यों में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक तत्वों का अनुशीलन – डॉ. ज्योति पाण्डेय
10. छायावादोत्तर काव्यों की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – अष्टम

आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

पाठ्य विषयः– **पूर्णांक : 80**

उपन्यास–	1 गोदान	–	प्रेमचंद
	2 बाणभट्ट की आत्मकथा	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
निबंध –	1 चढ़ती उमर	–	बालकृष्ण भट्ट
	2 कविता क्या है?	–	रामचंद्र शुक्ल
	3 माटी की मूरतें	–	रामवृक्ष बेनीपुरी
	4 चन्द्रमा मनसो जातः	–	विद्यानिवास मिश्र
	5 वैष्णव की फिसलन	–	हरिशंकर परसाई
कहानी –	1 उसने कहा था	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
	2 पुरस्कार	–	जयशंकर प्रसाद
	3. ईदगाह	–	प्रेमचंद
	4. वापसी	–	उशा प्रियम्वदा
	5. बादलों के घेरे	–	कृष्णा सोवती

इकाई–1 – व्याख्या
इकाई–2– उपन्यास
इकाई–3 – निबंध
इकाई–4 – कहानी
इकाई–5 – लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ

अंक विभाजन

3 व्याख्या	–	3X10	=	30 अंक
3 आलोचनात्मक	–	3X10	=	30 अंक
5 लघुत्तरीय	–	5X2	=	30 अंक
10 वस्तुनिश्ठ	–	10X1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकेंः–

1. प्रेमचंद और उनका युग	–	रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु	–	चंद्रभाव सोनवठी
4. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास	–	सिद्धनाथ तनेजा
5. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
6. प्रेमचंद : एक अध्ययन	–	राजेश्वर गुरू
7. महादेवी प्रतिनिधि गद्य रचनाएं	–	सं. रामजी पाण्डेय
8. हिन्दी निंबध के आधार स्तम्भ	–	डॉ. हरिमोहन
9. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास	–	सुरेश सिन्हा
10. कहानी : स्वरूप और संवेदना	–	राजेन्द्र यादव
11. कहानी : नयी कहानी	–	नामवर सिंह
12. हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	सं. विश्वनाथ तिवारी
13. प्रेमचंद का जीवनदर्शन एवं रंगभूमि	–	डॉ. शंकर बुन्देले

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – प्रथम
साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई 1 भारतीय काव्य शास्त्र
काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार
रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निश्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग ।

इकाई 2 अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत

इकाई 3 पाश्चात्य काव्य शास्त्र प्लेटो – काव्य सिद्धांत अरस्तु– अनुकरण का सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा

इकाई 4 मैथ्यू आर्नल्ड– कला की अवधारणा टी.एस. इलियट – कला की निर्वैयक्तिकता, कॉलरिज–कल्पना सिद्धांत स्वच्छदतावाद – मार्क्सवाद

इकाई 5 पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई 6 पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ।

अंक विभाजन

इकाई 1	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4	–	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5	–	लघुत्तरीय 5X 2	=	10 अंक
इकाई 6	–	वस्तुनिष्ठ 10X 1	=	10 अंक
		योग	=	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

1. डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त – भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत
2. डॉ. भगीरथ मिश्र – पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद
3. डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी– भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज
4. डॉ. शिवकुमार मिश्र– मार्क्सवादी साहित्य के सिद्धांत
5. डॉ. नगेन्द्र – भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका
6. डॉ. निर्मला जैन – पाश्चात्य साहित्य चिंतन
7. मुलजी भाई– भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8. डॉ. गंगा प्रसाद विमल – आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में ।

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय
(भाषा विज्ञान)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक ।

इकाई–2 स्वन प्रक्रिया : स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद ।

इकाई 3 व्याकरण : रूप विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त – आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधदर्शी रूपिम और शाखाएँ, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेशण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।

इकाई 4 अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता अर्थ परिवर्तन।

इकाई 5 पाठ्यक्रम में से पांच लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई 6 पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भारत के भाषा परिवार – डॉ. रामनिवास शर्मा
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा – उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास बाजपेयी
6. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र – कपिलदेव द्विवेदी
7. सामान्य भाषाविज्ञान – बाबूराम सक्सेना
8. हिन्दी और उसका संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
9. हिन्दी और उसकी विविध बोलियॉ – प्रो. दीपचंद जैन
10. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद मिश्र

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
तृतीय सेमेस्टर प्रश्न
पत्र – तृतीय
(कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता)

पाठ्य विषयः– **पूर्णांक : 80**

इकाई–1 हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य– प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी ।

इकाई–2 पारिभाषिक शब्दावली, स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली। हिन्दी कम्प्यूटर– कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता क्षेत्र, वेब पेज पब्लिशिंग परिचय।

इकाई–3 इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्यतता के सूत्र । इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेट स्केप । हिन्दी साफ्टवेयर पैकेज ।

इकाई–4 पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास । समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यवहारिक प्रूफशोधन, शीर्शक संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई–5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न अतिलघुत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकेंः–

1. प्रयोजन परक हिन्दी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित
2. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी, क्लासिक पब्लिक कम्पनी
3. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीष प्रसाद चतुर्वेदी
4. हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन – तरूशिखा सुरजन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन एवं प्रबंधन – डॉ. सुकुमार जैन
7. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
9. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

एम.ए. – (हिन्दी साहित्य) – 2017–18
तृतीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – चतुर्थ
भारतीय साहित्य

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई–1 भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

इकाई –2 हिन्दीतर साहित्य का इतिहास जो तीन वर्गों में विभक्त है –

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग से मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बँगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

प्रत्येक विद्यार्थी इन तीनों विकल्पों में से एक भाषा चयन करेंगे बशर्ते वह भाषा अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो। विद्यार्थी एक भाषा वर्ग (मलयालम, बंगला, मराठी) में से किसी एक के इतिहास का अध्ययन करेंगे।

इकाई –3 हिन्दी भाषा साहित्य एवं बंगला भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई– 4 उपन्यास – अग्निगर्भ (बंगला– महाश्वेता देवी)
नाटक – हयवदन (कन्नड़–गिरीश कर्नाड)
कविता संग्रह – कोच्चि के दरख्त (मलयालम– के.जी. शंकर पिल्लै)
इकाई चार के अंतर्गत केवल आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे ।

इकाई– 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई –6 संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघुत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. मलयालम साहित्य – परख और पहचान – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
2. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
3. मराठी भाषा और साहित्य – राजमल वोरा
4. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर. सुरेन्द्रन ।
5. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
6. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला – सं.कृष्णदयाल भार्गव
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
9. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निर्देशालय, दिल्ली ।
10. भारतीय साहित्य : अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश गुप्त

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – पंचम
(हिन्दी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई 1 मनोविश्लेशण वाद, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियॉ, संरचनावाद, शैलीविज्ञान, उत्तर आधुनिकता

इकाई 2 हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन– लक्षण काव्य परम्परा – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा, केशव, देव

इकाई 3 आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ– शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मनोविश्लेशणवादी, सौंदर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक

इकाई 4 व्यवहारिक समीक्षा : काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या

इकाई 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से कोई पांच लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई 6 संपूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न या अतिलघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	लघुत्तरीय	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	वस्तुनिष्ठ	10X 1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
		आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें :–

1. डॉ. गोविंद त्रिगुणायत – शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2
2. डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र – हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास
3. डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल – हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
4. डॉ. शिवकरण सिंह – आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य
5. डॉ. नंदकिशोर नवल – हिन्दी आलोचना का विकास
6. योगेन्द्र शाही – अस्तित्ववाद किर्कगार्द से कामू तक
7. रणधीर सिन्हा – आलोचनात्मक रामविलास शर्मा

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – षष्ठ
(हिन्दी भाषा)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाशाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विषेशताएँ । मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई–2 हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियॉ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

इकाई–3 हिन्दी के विविध रूप– संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई–4 हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाष शिक्षण । देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण ।

इकाई–5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से पांच लघुत्तरीय प्रश्न ।

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –		1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	लघुत्तरीय	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	वस्तुनिष्ठ	10X 1	=	10 अंक
		योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन			**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलियॉ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भटिया हिन्दी समिति उ.प्र. शासन लखनऊ
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी

एम.ए. – (हिन्दी) 2017–18
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – सप्तम
(मीडिया–लेखन एवं अनुवाद)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 मीडिया लेखन जनसंचार : प्रौद्योगिक एवं चुनौतियॉ, विभिन्न जनसंचार–माध्यमों का स्वरूप– मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट, श्रवण–माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति । समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

इकाई–2 दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो), दृश्य–माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर) पटकथा–लेखन, टेली–ड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा ।

इकाई–3 अनुवाद – सिद्धांत एवं व्यवहार अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि । हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका । कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।

इकाई–4 व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग, आदि पत्रों के अनुवाद, पदनामों–अनुभागों–दस्तावेजों–प्रतिवेदनों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार–कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया–प्रविधि ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	5X 2	=	10 अंक (पांच लघुत्तरीय)
इकाई 6 –	10X 1	=	10 (दस वस्तुनिश्ठ)
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकेंः–

1. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
2. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
3. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भागवन्त (उ.प्र. जयपुर)
4. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
5. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोनमूलक विविध प्रयोग : डॉ. कृष्णकुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
6. जनमाध्यम एवं पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
7. अनुवाद के सिद्धांत – सुरेश कुमार
8. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
9. अनुवाद – बोध – डॉ. गार्गी गुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद् दिल्ली)

एम.ए. – (हिन्दी) – 2017–18
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – अष्टम
जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

पूर्णांक : 80

पाठ्य विषय :–

इकाई–1 छत्तीसगढ़ी भाषा–भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई–2 छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियॉ एवं इतिहास ।

इकाई–3 छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि –

(1) सुंदरलाल शर्मा
(2) मुकुटधर पाण्डेय
(3) हरि ठाकुर
(4) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

इकाई–4 छत्तीसगढ़ी नाटक एवं उपन्यास

1. करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल
2. आवा (उपन्यास) – परदेशीराम वर्मा

इकाई–5 द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकार का अध्ययन (पांच लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे)

(1) लखन लाल गुप्त (2) लक्ष्मण मस्तुरिहा
(3) केयूर भूषण (4) मुकुन्द कौशल
(5) लोचन प्रसाद पाण्डेय (6) लाला जगदलपुरी
(7) पवन दीवान (8) कोदूराम दलित

इकाई–6 संपूर्ण पाठ्यक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अतिलघुत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन

इकाई 1 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 2 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 3 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 4 –	1X 15	=	15 अंक
इकाई 5 –	5X 2	=	10 अंक
इकाई 6 –	10X 1	=	10 अंक
	योग	**=**	**80 अंक**
	आंतरिक मूल्यांकन		**20 अंक**

निर्धारित पुस्तकें:–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्‌विकास – डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी भाषाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – भालचंद्र राव तैलंग
3. छत्तीसगढ़ी परिचय– डॉ. बलदेव मिश्र
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल
5. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. शकुन्तला वर्मा
6. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ. शंकर शेष
7. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली – प्यारेलाल गुप्त
8. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और भाशा – डॉ. बिहारीलाल साहू
9. छत्तीसगढ़ी भाशा और साहित्य – डॉ. सत्यभामा आडिल
10. छत्तीसगढ़ के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा
11. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्राकर